Liedvorschläge für den Gottesdienst ab 2019

In den folgenden Tabellen finden Sie Liedvorschläge für die Gottesdienste in der Evangelischen Kirche Deutschlands nach der gültigen Perikopenordnung ab 2018/19

Die Tabellen werden nach und nach vervollständigt und aktualisiert. **Jetziger Stand: 11.10.2022**

Mögen meine Erfahrungen oder Ergebnisse trotzdem manchem Pfarrer, Prädikanten, Prediger oder Kantor eine Hilfe sein bei der Planung des Gottesdienstablaufes.

Das Word-Format ermöglicht eigene Ergänzungen oder Korrekturen!

Die **Nummern** beziehen sich auf das **Evangelische Gesangbuch (EG**)

Die vorgeschlagenen Wochenlieder sind **fett** markiert, (manchmal erfolgen noch eigene Vorschläge.)

Lieder mit einer **0** am Beginn beziehen sich auf den sächsischen Liedanhang „*Singt von Hoffnung*“ (SvH)

Die Nummern für die Psalmen beziehen sich auf das Sächsische Gesangbuch.

Weitere Abkürzungen:

DbH Liederbuch „Du bist Herr“, die Zahl dahinter bezeichnet den Band (1-5)

FJ Liederbuch „Feiert Jesus“ mit entsprechender Bandangabe

GF Liederbuch „Gottes Fest“ (ein Oldie aus DDR-Zeiten).

GLB Gemeinschaftsliederbuch „Jesus unsere Freude“

ILwJ Liederbuch „In Love with Jesus“ mit entsprechender Bandangabe

|  |  |
| --- | --- |
| **1. Advent** | *Siehe, dein König kommt zu dir…* |
| Eingangslied | 1, 1-3 |
| PSALM | 712 |
| Wochenlied | **4**  / **11**,1-2 / 1,4 / 13 / |
| Predigtlied I Mt 21,1-11 | 11,1-2 |
| II Röm 13,8-12 | 16,1+4 / 10,1-3 |
| III Sach 9,9-10 |  |
| IV Jer 23,5-8 | 9,5-6; 11, 6+9-10; DbH3 – 72; SvH 056 |
| V Offb 3,14-22 |  |
| VI Ps 24 | 1 |
| sonstige Predigttexte | Hebr 10,19-25: 394,1-5 |
| Lied zum Dankopfer | 11,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 1,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **2. Advent** | *Seht auf*… |
| Eingangslied | 6 / 11,1-4 / 69,1-2 |
| PSALM | 712 |
| Wochenlied | GF 99 / EG 6 / **EG 7 /** |
| Predigtlied I Jes 35, 3-10 | 151, 5-8 |
| II Luk 21,25-33 | 10,1-3 / 11,6-10 |
| III Jak 5,7-11 | 11, 6-8 |
| IV Jes 63+64 |  |
| V Hl 2,8-13 |  |
| VI Offb 3,7-13 | 263,1+4+6 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 151,8 / 1,5 / 6,1-2 / 11,9-10 / 152,4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **3. Advent** | *Bereitet dem Herrn den Weg…* |
| Eingangslied | 11,1-3 / 13,1-3 |
| PSALM 85,1-8 / Luk 1,68-79 | (712) |
| Wochenlied | **10** / **16** / GF 98 / GF 100 / *Bahnt einen Weg uns. Gott* |
| Predigtlied I Röm 15, 4-13 |  |
| II Luk 3,1-20 | 10, 1-3 |
| III Luk 1,67-79 | DbH 5 - 61 |
| IV 1 Kor 4,1-5 | EG 16, 5 |
| V Jes 40,1-2 | 15,1-3 / 10,3 / 10,2-3 |
| VI Mt 11,2-10 | 16,4 |
| sonstige Predigttexte | 2. Thess 2: 10,1-3 |
| Lied zum Dankopfer | 16, 1- |
| Lied zum Abendmahl | 11,7-8 |
| Schlusslied | 10,4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **4. Advent** | *Freut euch*… |
| Eingangslied | 13,1-3 / SvH 03,1-4 |
| PSALM 102 | 741 |
| Wochenlied | **9**,1+3+5 |
| Predigtlied I Luk 1,(26-38)39-56 | 172; 41,7 |
| II 2. Kor 1,18-22 |  |
| III 1. Mose 18 |  |
| IV Luk 1,(26-38)39-56 | 172; 41,7 |
| V Phil 4,4-7 | 6,1-2 / 9 / 17,4 / 19,1 / 239 / 351,13 / 359 / 396 / 398 |
| VI Jes 62, 1-5 |  |
| sonstige Predigttexte | Röm 5,12-21: EG 9,1-2.6 / 16, 2+4 / 42, 6-7 |
| Lied zum Dankopfer | 16,1- |
| Lied zum Abendmahl | SvH 054, 1-3 |
| Schlusslied | 9,6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Heiliger Abend** | *Siehe, ich verkündige euch große Freude…* |
| Eingangslied | 43 |
| PSALM |  |
| Wochenlied |  |
| Predigtlied I |  |
| II |  |
| III Jes 11,1-9 | 30 |
| IV Micha 5 | 55,1-3 / 25,1-3 |
| V |  |
| VI |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 44 oder 46 |

|  |  |
| --- | --- |
| **1. Christtag** | *Das Wort ward Fleisch…* |
| Eingangslied | 36,1-3 / 45,1-4 / 30 |
| PSALM 96 | 738 |
| Wochenlied | 43 / **45** |
| Predigtlied I Joh 1,1-5.9-14ff | 085 / 27,1-4 |
| II Tit 3,4-7 | 41, 1+6-7 |
| III Jes 52,7-10 | 13,1-3 / 69, 1-2 |
| IV 1. Joh 3,1-2ff | 40,1-5 |
| V Kol 2,3-10 |  |
| VI 2 Mose 2,1-10 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 39,1- / 36, 1- |
| Lied zum Abendmahl | 36,9-10 / 27,3-6 / 24,8 / 37,1 |
| Schlusslied | 25, 5-6 / 44,1-3 |

|  |  |
| --- | --- |
| **2. Christtag** | *Das Wort ward Fleisch…* |
| Eingangslied | 45,1-3 / 33, 1-3 |
| PSALM 96 | 738 |
| Wochenlied | **39,1-4** / **32, 1-4** |
| Predigtlied I Röm 1,1-7 |  |
| II Matth 1,18-25 | 43, 3+5-6 |
| III Hebr 1,1-4-14 | 27 / 36,1-4 / 44, 1-6 |
| IV Jes 7,10-14 |  |
| V Mt 1,1-17 |  |
| VI 2 Kor 8,7-9 | 27,1-5 |
| sonstige Predigttexte | Offb 7: 45,1+3 / 41,1-3 / 147,3 |
| Lied zum Dankopfer | 36, 5- / 37, 1- |
| Lied zum Abendmahl | 36,9-10 / 27,3-6 / 24,8 |
| Schlusslied | 44,1-3 / 41, 6-7 / 55,3 |

|  |  |
| --- | --- |
| **1. nach Christfest** | *Wir sahen seine Herrlichkeit* |
| Eingangslied |  |
| PSALM 71 |  |
| Wochenlied | **34 / 36** |
| Predigtlied I Mt 2,13-18 |  |
| II Hiob 42,1-6 |  |
| III Luk 2,25-28 | 222 / 36,10+12 |
| IV 1. Joh 1,1-4 | 42, 4-6 |
| V Jes 49, 13-16 | 243, 3-4 |
| VI Joh 12,44-50 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied |  |

|  |  |
| --- | --- |
| **Silvester** | *Meine Zeit steht in deinen Händen* |
| Eingangslied | 58,1+7+14 / 63,1-3 |
| PSALM | 749 |
| Wochenlied | **65**,1-3 (-5) / **58** / 115,5 / 25,4-6 |
| Predigtlied I Jes 51,4-6 | 482, 4-5 |
| II Hebr 13,8-9 | 391 / 157 / 123,1-3 |
| III 2 M 13,20-22 | 58,8ff / 391, 1+4 / 395 / 409, 3-4 / 445,5 |
| IV Mt 13,24-30 |  |
| V R8 31-39 | 351,1+1-12 / SvH 0111 / Dbh4-11=FJ2-143 |
| VI Pred 3 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 39,1- |
| Lied zum Abendmahl | 225,1-3 / 36, 8-10 |
| Schlusslied | 65,5-6 / 361,1-3 / 482,5 / 394,1 / 63,6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Neujahr** | *Jesus Christus gestern und heute derselbe… H 13,8* |
| Eingangslied | 62,1-3 |
| PSALM | 705 |
| Wochenlied | 64, SvH 88 |
| Predigtlied I Jos 1, 1-9 |  |
| II Joh 14,1-3 |  |
| III Phil 4,10-13 | 62,1+3+4 |
| IV Spr. 16 | 61,1-2 / 363,1-4 |
| V Lk 4,16-21 |  |
| VI Jak 4,13-15 | 62,1-4 / 352,1+6 / 64,2-4+6 / 368,1 / 497,1-2 / 175 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 394,1 / 01,5-6 / 066 / 62, 5 / 61,5-6 / 163 / 391 |

|  |  |
| --- | --- |
| **2. nach Christfest** | *Wir sahen seine Herrlichkeit…* |
| Eingangslied | 74,1-3 |
| PSALM 100 | 740 |
| Wochenlied | 56 / 73 |
| Predigtlied I 1. Jo 5,11-13 | 73,3-5 |
| II Jes 61, |  |
| III Luk 2,41-52 |  |
| IV 1.Jo 5,11-13 |  |
| V Jes 61 |  |
| VI Luk 2,41-52 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 74,4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Epiphanias** | *Die Finsternis vergeht, und das wahre Licht scheint jetzt* |
| Eingangslied | 70,1-3 |
| PSALM 72 | (740) |
| Wochenlied | GF 121 / **70**,4-5 / 72, 1-3 / 73,1-4 / |
| Predigtlied I Matth 2,1-12 | 74, 1-4 / 69,1-4 / 73 |
| II Eph 3,1-7 |  |
| III Jes 50, 1-6 |  |
| IV Joh 1,15-18 |  |
| V 2. Kor 4,3-6 | 73, 5-6 |
| VI 1. Kön 10,1-13 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 023 |

|  |  |
| --- | --- |
| **1. nach Epiphanias** | *Welche der Geist Gottes treibt…* |
| Eingangslied | 73,1-4 (73, 1-2.5-7) |
| PSALM 89 | (740) |
| Wochenlied | 73, 5-7 / **441 / 410** |
| Predigtlied I Jos 3,5-11.17 |  |
| II Matth 3,13-17 | 66, 1+6+7 |
| III Röm 12,1-8 | 73, 5-7 |
| IV Jes 42, 1-9 |  |
| V Joh 1,29-34 | 66,6-7 / 123, 5-6 |
| VI 1 Kor 1,26-31 | 24,8-9.12 / 10,2-4 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 66,8 / SvH 07, 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **2. nach Epiphanias** | *Von seiner Fülle haben wir alle genommen Gnade…* |
| Eingangslied | 66,1-3 |
| PSALM 105 | (740) |
| Wochenlied | 74 / 398 |
| Predigtlied I Röm 12,9-16 | 251, 1+5-6 |
| II Jer 14 |  |
| III Joh 2,1-11 | 263,6 / 66,7(8/9) / 396,1 / 396,4 / Wir sind wie Krüge… |
| IV 1 Kor 2,1-10 | 251, 1+5-6 |
| V 2. Mo 33,18-23 | 379 / 331,1-4 / 40,,1-6 |
| VI Hebr 12 | 66,6-7 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 73,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 398,1-2 |

|  |  |
| --- | --- |
| **3. nach Epiphanias** | *Es werden kommen vom Osten und vom Westen…* |
| Eingangslied | 293,1-2 / 123 / 515 / 279,1-2 / 66,1-3 |
| PSALM | 740 |
| Wochenlied | GF 31 / 293,1-2 / 272 / 66,4-5 / 0104 |
| Predigtlied I Joh 4,5-14 |  |
| II Apg 10,21-35 | 66, 1 |
| III Ruth 1 | 326,6 / 376 (3) / |
| IV Mt 8,5-13 |  |
| V R 1,13-17 | 136,4 / 305,4 / 410, 4 |
| VI 2 Kön 5 | 66,7-8 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 66, 2- / 182 |
| Lied zum Abendmahl | 66,7 |
| Schlusslied | 225 / 171 / 66,9 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Letzter nach Epiphanias** | *Über dir geht auf der Herr…* |
| Eingangslied | GF 121 / 72,1-3 / 441,1-3(4) |
| PSALM | 740 / 714/ Psalm 97 nach Edel i.A. |
| Wochenlied | 72,1-3 / 023 / **67,1-3** / *Die Herrlichkeit des Herrn bleibe…* |
| Predigtlied I 2. Mo 3 | 73,6-7 / 165, 1-2 |
| II Offb 1,9-18 | 390 |
| III 2 Petr 1 | 73,4-5 / 73,5-6 |
| IV 2. Mo 34 | 390,1-3 |
| V Mt 17,1-9 | 441,4-6 / 023 |
| VI 2 Kor 4 | 440, 2-3 / 251, 1+5 / 390 / 441, 4-5 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 73 / 0122 / 379,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | *Die Herrlichkeit des Herrn* / 347,3-4 / 74,4 / 70,3 / 023 |

|  |  |
| --- | --- |
| **5. So v. d. Passionszeit** | *Der Herr wird ans Licht bringen* |
| Eingangslied | 334, 1-6 |
| PSALM 37,1-11 | (720) |
| Wochenlied | **409, 1-6** |
| Predigtlied 1 K 1,4-9 |  |
| II Jes 40,12-25 |  |
| III Mt 21,28-32 | 414,1-2 / *Wir schauen der Wahrheit ins Auge…* |
| IV 1 K 1,4-9 |  |
| V Jes 40,12-25 |  |
| VI Mt 21,28-32 | 414,1-2 / *Wir schauen der Wahrheit ins Auge…* |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 361,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 409, 7-8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **4. So v. d. Passionszeit** | *Kommt her und seht an die Werke Gottes…* |
| Eingangslied | 243, 1-4 / 74, 1-4 / 158, 1-4 |
| PSALM 107 i.A. |  |
| Wochenlied | 346,1-3 / 369, 1-3 / **SvH 087 /** 094 |
| Predigtlied I Mk 4,35-41 | *Ein Schiff*…/ 243,4 / 346,2 / 374 / 396,1.**2**.3 / 398,2 / 094 / |
| II 2 K 1,8-11 | 369, |
| III Jes 51,9-16 | 377 / 243 |
| IV Mt 14,22-33 | 373,3 (-5) / FJ5 - 108 |
| V Mk 5,24-34 |  |
| VI 1. Mo 8,1-12 |  |
| sonstige Predigttexte | 66,2-3 |
| Lied zum Dankopfer | 361 / 374 |
| Lied zum Abendmahl | 228 |
| Schlusslied | 258 /346,3 / 364,4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Septuagesimae** | *Wir liegen vor Dir mit unserem Gebet…* |
| Eingangslied | 372,1-3 / 168 / 452,1-2 / 409,1-6 |
| PSALM 31b | (716) |
| Wochenlied | GF 26 / **452,3-5** // 494,1+4-5 / 342 |
| Predigtlied I Pred 7,15-18 | 369, 1+6(-7) |
| II Mt 20,1-16 | 494,1+6 / 449, 6/ 437,4 / 350 / 452, 5 |
| III Phil 2,12-13 | 194 / **388, 5** / 351, 6 / 059 / FJ4-161! / 253, 1-4 |
| IV Jer 9,22-23 | 302, 8 / SvH 098 |
| V Mt 9,9-13 | 320 |
| VI 1. Kor 9,19-27 | 164 / 346,1 / 373,2+6 / 374, 4/ 385 / 414, 1+4 |
| sonstige Predigttexte | 256, 2+5 |
| Lied zum Dankopfer | 423 / 372 / 262 / |
| Lied zum Abendmahl | 355,5 |
| Schlusslied | 372, 6 / 171 / 369,7 /371, 1 / 494,6 / 409, 7+8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Sexagesimae** | *Heute, wenn ihr seine Stimme hören werdet…* |
| Eingangslied | GF 128,1-4 / 197 / **0126,1-5** / 452, 1-5 |
| PSALM 119 | 748 |
| Wochenlied | 197,1-2 / 198,1-2 / **196** |
| Predigtlied I Apg 16,9-15 | 136, 5-7 / 161, 2-3 |
| II Hes 2 | 452, 3 / (196,5) |
| III Luk 8 | 166, 4-5 |
| IV Hebr 4,12-13 | 198, 1-2 |
| V Jes 55 | 197,2 |
| VI Mk 4,26-29 | 165, 3+6 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 320, 1ff / 0116 / 165,3- |
| Lied zum Abendmahl | 056 / 165,8 |
| Schlusslied | GF 128,5-6 / 347,1-2 / 196, 5-6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Estomihi** | *Seht, wir gehen hinauf nach Jerusalem…* |
| Eingangslied | 395,1-3 / 449,1-3 / 390 |
| PSALM 31 | 716 |
| Wochenlied | 385,1-3 **/ 401,1-3** / 412 / *Ich hab dich je und je geliebt…* |
| Predigtlied I Luk 10,38-42 | 198,1-2 / 166,6 / 352,3 |
| II Lk 18,31-43 | 390,1-3 / 384, 1-2 (zu Versen 31-34) / 391,1-2 |
| III Jes 58 | 295,1-3 / 412, 1+3 |
| IV Mk 8,31-38 | 385,1-6 / 397,1 |
| V 1 Kor 13 | 401,1-4 / 251, 5-7 |
| VI Am 5,21-24 | 262,1-5 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 449,5- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 171 / 295,4 / 394, 1-5 / 262, 6-7 / 401, 6-7 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Invokavit** | *Dazu ist der Sohn Gottes erschienen…* |
| Eingangslied | 446, 1-4 / 86, 1-3+8 / 347, 1-4 |
| PSALM 91 | 736 |
| Wochenlied | **362 / 347,1-3** |
| Predigtlied I Hebr 4,14-16 | 353,1-2 / 394,1 |
| II Gen 3 | 388 (1+5+7) / 373,1-3 / 392, 1.6-8 |
| III Joh 13,21-30 |  |
| IV 2 Kor 6 | 370, 1+4+7 /397,1-2; |
| V Hiob 2 | 370,1+4-7 |
| VI Mt 4,1-11 | 373,1+3+4 / 164,1 / 347,1 |
| sonstige Predigttexte | Luk 22,31-34: 373,1+3+4 / 373,1+6 |
| Lied zum Dankopfer | 406 / 82 |
| Lied zum Abendmahl | 224,1-3 / 353,4-5 |
| Schlusslied | 446,7-9 / 347,1+5+6 / 373,6 / 347,5-6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Reminiszere** | *Gott erweist zu uns seine Liebe darin…* |
| Eingangslied | 450 / 369 / 366, 1-5 / 390,1-3 |
| PSALM 25 | **713** |
| Wochenlied | GF 108 = GLB 337 / **94, 1-5 / 96** |
| Predigtlied I Joh 3,14-21 |  |
| II Röm 5,1-11 | 79 / 66,1-2.6 / 350,1-2 / **351,3-4+7 /** 452,4 |
| III Jes 5, 1-7 | 145, 1+4 / 262 / 390 / 392 |
| IV Mt 26,36-46 |  |
| V Mark 12,1-12 | 145,7 / 392 |
| VI 4. Mose 21,4-9 |  |
| sonstige Predigttexte | **Mt 12,38-42**: EG 98 // **Hebr 11,8-16**: EG 86 / 83, 4/ 228 / 390,1-3 / 361,1+4 / 383,1-2// **Joh 8,21-30**: 346,4 |
| Lied zum Dankopfer | 96, 1- / 86,1- |
| Lied zum Abendmahl | 406,1 / 227,1-2 / 213,1 |
| Schlusslied | 370,11-12 / 366, 6+7 / 86, 8 / 227,6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Okuli** | *Wer seine Hand an den Pflug legt und sieht zurück…* |
| Eingangslied | 385,1-3 |
| PSALM (34,16-23 | 713 oder **718** |
| Wochenlied | 385,4-5 / **391** / GF 24: *Ich bin entschieden zu folgen Jesus* |
| Predigtlied I Jer 20,7-13 | 374, 1-2 / 136,1+3 |
| II Luk 9,57-62 | 385, 1-3 / 391 / 395 |
| III Eph 5,1-9 | 414,1-2 |
| IV 1 Kön 19,1-13 | 374, 1-2 |
| V Luk 22,47-53 |  |
| VI 1 Petr 1,13-21 | GF 35 / ILwJ2 – 148 / EG 325,3 / 406,3-4 / 82,5 |
| sonstige Predigttexte | Joh 15,18-21: 385,1 |
| Lied zum Dankopfer | 361 |
| Lied zum Abendmahl | 228 |
| Schlusslied | 157,1 / 333,4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Lätare** | *Wenn das Weizenkorn nicht in die Erde fällt…* |
| Eingangslied | 396,1-3 / 398,1-2 |
| PSALM 84 | 734 |
| Wochenlied | EG **98** / EG **396** / GF 109 |
| Predigtlied I Joh 6,47-51 | 227,1-2 |
| II Jes 66,10-14 | 151,5+7 |
| III Joh 12,20-24 | 98,1 |
| IV 2 Kor 1,3-7 | **396,1-3+6**  / 326,6 / 243,1-4 |
| V Jes 54, 7-10 | 378 |
| VI Luk 22,54-62 |  |
| sonstige Predigttexte | Phil 1,(12-)15-21: 406 |
| Lied zum Dankopfer | 396 / 86,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 396,6 / 227,6 / 406,1 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Judika** | … *nicht gekommen, sich dienen zu lassen, sondern…* |
| Eingangslied | 450 / 83 / 86,1-3 |
| PSALM 43 | 724 |
| Wochenlied | 086? / **97,1-3** |
| Predigtlied I Joh 18,28 – 19,5 |  |
| II Hebr 13,12-14 | 385,1 / 391 |
| III Hiob 19,19-27 |  |
| IV Mark 10,35-45 | 406,1 / 251 / 91,7 |
| V Hebr 5 | 87, 1+5+6 |
| VI 1. Mo 22 | 83 / 372 / 93 / *Surrender* - *Mein ganzes Leben* (FJ4-146) |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 385,2ff / 406,2ff / 83,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 93,1 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Palmarum** | *Des Menschensohn muss erhöht werden…* |
| Eingangslied | 402, 1-2 |
| PSALM 69 | 731 |
| Wochenlied | **91** |
| Predigtlied I Jes 50,4-9 | 452 |
| II Mark 14,1-9 | 400,1-2+7 |
| III Hebr 11 + 12 | 391,1 |
| IV Joh 17,1-8 |  |
| V Joh 12,12-19 | 83,4 / 386,4 |
| VI Phil 2,5-11 | 123,1+11 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 93 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Karfreitag** | *Also hat Gott die Welt geliebt…* |
| Eingangslied | 91,1-4 / 86,1-3 |
| PSALM 22 | 709 |
| Wochenlied | 83,1-3 / **85** |
| Predigtlied I Joh 19,16-30 | 93 / 79,1 / 223,5 / 91,9 |
| II 2 K 514-21 | 0117 / 81,4 |
| III Jes 52/53 | 346,2 / 349,2 / 530,3 |
| IV Luk 23,32-49 |  |
| V Kol 1,13-20 |  |
| VI Mt 27,33-54 | 79,1-2 |
| sonstige Predigttexte | Hebr 9: 79,1-2 |
| Lied zum Dankopfer | 85 |
| Lied zum Abendmahl | 228,1-3 |
| Schlusslied | 223,5 / 91,1 / 86, 8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Ostersonntag** | *Ich war tot, und siehe, ich bin lebendig…* |
| Eingangslied | 116,1-3 / 114, 1-3 |
| PSALM 118 | 747 |
| Wochenlied | 103 |
| Predigtlied I Joh 20,11-18 | 114, 5+7 |
| II 1 Ko5 15,19-28 | 123, 1+8 |
| III 2. Mose 14 |  |
| IV Mk 16,1-8 | 115,1 |
| V 1 Kor 15,1-11 | 115,1+5-6 |
| VI 1. Sam 2 |  |
| sonstige Predigttexte | Mt 28,1-10: 182,8 / 112,3-5 |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl | 101,7 |
| Schlusslied | 116,4-5 / 100, 1+5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Ostermontag** |  |
| Eingangslied | 100,1-4 / 116, 1-4 |
| PSALM | 747 |
| Wochenlied | 111,1+11-13 / 116,1-2+5 / 103 / 99 / **100 / 116** |
| Predigtlied I Jes 25,6-9 | 112, 4-7 / 115, 2-3 |
| II Lk 24,36-45 | FJ4-114 *In Christus (in Christ Alone)* 116,4 |
| III Offb 5,6-14 | EG 114, 6-8 / 123, 1+10 |
| IV Jona 2 | 114 1+9 |
| V Luk 24,13-35 | 112, 1+3+4 |
| VI 1 Kor 15,50-58 | 115 / 016 |
| sonstige Predigttexte | Apg 10,34-43: 115,2-3 |
| Lied zum Dankopfer | 112,1- ( 103, 1- |
| Lied zum Abendmahl | 103,5 / 101,7 |
| Schlusslied | 108,3 / 99 / 116. 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Quasimodogeniti** | *Gelobt sei Gott… wiedergeboren zu lebendiger Hoffnung* |
| Eingangslied | 100, 1-3 / 114,1-4 |
| PSALM | 746 |
| Wochenlied | **108 / 117** // 292,1-5 / 016 |
| Predigtlied Reihe I 1 P 1 | 133,1-3 / 115,1-4 |
| II Jes 40 | 407,1-2 / 511 |
| III Joh 21 | 406,1-3 |
| IV Kol 2 | 115, 1-4 / 116 |
| V Gn 32 |  |
| VI Joh 20 | 116,1 / 66,2+3+8+9 |
| sonstige Predigttexte | Mark 16: 116,1+4+5 / 115,2-3 / 114, (7-)8 //  Joh 17,9-19: 251, 5+7 |
| Lied zum Dankopfer | 115 / 103,1ff / 112,1ff |
| Lied zum Abendmahl | 101,7 |
| Schlusslied | 200,5 / 112, 4-**6** / 114,10 / 100,1 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Miserikordias Domini** | *Ich bin der gute Hirte…* |
| Eingangslied | 100,1-3 / 288 |
| PSALM | 711 |
| Wochenlied | **EG 274 / 358** / GF 71 / *Wunderbarer Hirt /* SvH 0106 *Ich bin in guten Händen* |
| Predigtlied I J 10 | 391,1-4 |
| II 1P2 | 391 / 088 |
| III Hes 34 | 376 / 391 / *Sei mein Hirte* |
| IV Joh 21 | 240, 2 / 397 / 400 / 402 / 391 |
| V 1P5 | 288, 1-3 / 245, 3+5 |
| VI Gn 16 |  |
| sonstige Predigttexte | Apg 20: EG 245,1-3 Hebr 13: 414,1 / 370, 10-12 / 165, 6 |
| Lied zum Dankopfer | 017 |
| Lied zum Abendmahl | 055 |
| Schlusslied | *Du selbst wirst die Schafe weiden* / EG 288,6-7 / **EG 257,4** |

|  |  |
| --- | --- |
| **Jubilate** | *Ist jemand in Christus – neue Schöpfung…* |
| Eingangslied | 279 ,1-2 |
| PSALM 66 | (737 ) |
| Wochenlied | **110 / 432** / 506, 2+5+6 / 316 |
| Predigtlied I Spr. 8 | 506 / FJ2-123 |
| II Joh 15 | 114,7(-8) 088 / 406,1 |
| III Apg 17 | 302, 2 / 199 / 288,2 / 346, 3+4 / SvH 0108 / 165,5 |
| IV Gen 1+2 |  |
| V Joh 16,16-23 | 112,1-5 |
| VI 2 Kor 4,14-18 | *Doch wir stehn wieder auf*“ |
| sonstige Predigttexte | 1. Joh 5,1-4:114,7(-8) |
| Lied zum Dankopfer | 279,3ff |
| Lied zum Abendmahl | 0108 |
| Schlusslied | 346,5 / 114,10 / 279,8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Kantate** | *Singt dem Herrn ein neues Lied…* |
| Eingangslied | 286, 1-4 |
| PSALM 98 | 739 |
| Wochenlied | 243 / **302** |
| Predigtlied I Apg 16,23-34 | 302, 1+3+5 / *Dir gehört mein Lob – Blessed be…* |
| II 2. Chr. 5 |  |
| III Luk 19,37-40 | (108,1) 243, 1 / 147, 3 |
| IV Kol 3,12-17 | 328,1-4 |
| V 1. Sam 16 |  |
| VI Offb 15,2-4 | 123, 10-11 / *Groß und wunderbar…* |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 243, 1+6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Rogate** | *Gelobt sei Gott, der mein Gebet nicht verwirft…* |
| Eingangslied | 279,1-3 / 324 / 093 |
| PSALM 95 | (Ps 95 nach Edel) |
| Wochenlied | GF 54 / 133, 1+2+5 / **344** / 092 / 328, 1+5 |
| Predigtlied I Joh 16 | 328,5+7 / 387,4-5 |
| II Mt 6 | 133, 1+5+8 / 344, 1-3 / 373, 4 / 047 |
| III Sir 35 /Dan 9 | 347 / 354, 6-7 |
| IV Luk 11,5-13 | 328, 5-7 / 372, 3 / SvH 092 |
| V 1 Tim 2 | 133,8+10 |
| VI 2 M 32,7-14 |  |
| sonstige Predigttexte | Kol 4,2-4: 457, 1+11 / 387 |
| Lied zum Dankopfer | 324 / 387 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 279,8 / 092 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Himmelfahrt** | *XP spricht:* *Wenn ich erhöht werde..* |
| Eingangslied | 165. 1+5+6 / 328.14 / 018, 1-5 / 331,1-3 |
| PSALM | 47 |
| Wochenlied | 123,1-3 / DbH1 – 170 / 018 |
| Predigtlied I 1 Kön 8 | 165,8 |
| II J 17 | 123, 1+**6**-8 |
| III E 1 |  |
| IV Dan 7 | 152, 1-3 |
| V L 24 | *Mein Jesus, mein Retter* / 251, 4-6 |
| VI Apg 1 | 123, 1+**6**-8 |
| sonstige Predigttexte | Offb 1: 152 / Offb 4: 121 / 165, 2+4 / 300,1-2 / 331,1-3 / 333,4 / SvH 023 |
| Lied zum Dankopfer | 123, 4- / 018 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 123, 6+11 / 251, 7 / 018, 6 / 499 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Exaudi** | *XP spricht:* *Wenn ich erhöht werde..* |
| Eingangslied | 501, 1-3 |
| PSALM | 714 |
| Wochenlied | 135, 1+3+6 / **136** |
| Predigtlied I Eph 3,14-21 | 251,4 |
| II Jer 31,31-34 | 241,5 / FJ I-128 *Allein deine Gnade…* |
| III Joh 7,37-39 | 66,7-8 / *Sei mir ein Quell* / *O Herr, gieße Ströme…* |
| IV Röm 8,26-30 | 328, 1-6 / 328, 1+5-6 |
| V 1. Sam 3,1-10 |  |
| VI Joh 16,5-15 | 129, 1-2 |
| sonstige Predigttexte | Joh 15,26 - 16,4: 136, 1-4 / 135, 1-3 / 241,1 |
| Lied zum Dankopfer | 406,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 503, 4 / 136,7 / 501, 4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Pfingstsonntag** | *Nicht durch Herr oder Kraft…* |
| Eingangslied | 135, 1-4 / 130,1-3 |
| PSALM | 747 |
| Wochenlied | 137, 1+2+7 / 135,1-5 / 133, 1-3 / 126 |
| Predigtlied Reihe I Joh 14 | 165, 8 |
| II AG 2 | 136, (1+) **7** |
| III Gn 11 | 328, 2-3 |
| IV R 8 | 241 / 136, 7 |
| V 1 Kor 2 | 129,1-2 |
| VI Hes 37 |  |
| sonstige Predigttexte | Apg 8,4-24: 123,6 |
| Lied zum Dankopfer | 131 / 213,1 |
| Lied zum Abendmahl | 129, 4 / 133,2 |
| Schlusslied | 255, 1-5 / 130,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Pfingstmontag** | *Nicht durch Heer oder Kraft* |
| Eingangslied | 021,1-3 / 136, 1-3 |
| PSALM | 740 |
| Wochenlied | **129,1-4** / 021 / 268 |
| Predigtlied I Matth 16,13-19 | 135,3-5 |
| II Joh 20,19-23 | 116,1 / 66,2+3+8+9 |
| III 1 Kor 12,4-11 | 137, 1-**2** |
| IV 4. M 11 | 255, 1-6 / *O Herr, gieße Ströme* |
| V Joh 4,19-26 | 328, 2-3 |
| VI Eph 4 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 134 / 137 / 024 |
| Lied zum Abendmahl | 133,2 |
| Schlusslied | 133,8 / 136, 7 / 134, 7 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Trinitatis** | *Die Gnade unseres Herrn Jesus Christus u. d. Liebe…* |
| Eingangslied | 139 / 445 / 331,1-3 |
| PSALM | Ps. 113: 745 // (alt: Ps. 145 i.A. – EG 756) |
| Wochenlied | 331,1-3 / DbH2-257 / **139,1-3; 140** |
| Predigtlied I 2 K 13 | 253, 1-2(-4) |
| II 4 M 6 | 352, 1-3 |
| III Joh 3 | 390,1-3 / 133,1 |
| IV R 11 | 331 / 506, 1 |
| V Jes 6 | 165, 1-4 / 331, 1-3 |
| VI Eph 1 | 111, 1- / 331 / 352, 1 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 503, 1ff / 506, 1ff |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 347, 4-5 / 253, 5 / 331, 10-11 |

|  |  |
| --- | --- |
| **1. nach Trinitatis** | *Wer euch hört, der hört mich…* |
| Eingangslied | 445, 1-4 |
| PSALM 34 | 718 |
| Wochenlied | **365 / 382** |
| Predigtlied I Joh 5,39-47 |  |
| II Apg 4 | 253, 1(+4-5) 0113 |
| III Jona1-2 |  |
| IV Luk 16 | 369, 6 / 530, 1+3 / 149, 4-5 |
| V 1 J 4 |  |
| VI Jer 23 | 198, 1-2 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 400, 2ff |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 445, 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **2. nach Trinitatis** | *Kommt her zu mir alle, die ihr mühselig und beladen seid…* |
| Eingangslied | 155,1-3 / 250,1-3 / 330, 1-4 / 034 / 166 |
| PSALM 36 | 719 |
| Wochenlied | 400,1-3 / *Jesus will uns baun zu einem Tempel /* 250,1-2  **213 / 225** |
| Predigtlied I Jes 55,1-5 | 66,7 |
| II Mt 11,25-30 | 363,1-2 / GF 30 / 213, 1-3 |
| III 1. Kor 14 | 137, 1-2 |
| IV Jona 3 |  |
| V Luk 14,15-24 | 257, 3-5 |
| VI Eph 2 | 245 / 264 / 255,5-7 / *In deinem Haus*… (Siebald) |
| sonstige Predigttexte | **Mt 22,1-14**: 225 / 250,2 / SvH 059 |
| Lied zum Dankopfer | 330,1- |
| Lied zum Abendmahl | 225 |
| Schlusslied | 400, 6-7 / 225 / 330, 6-7 / 250,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **3. nach Trinitatis** | *Der Menschensohn ist gekommen, zu suchen…* |
| Eingangslied | 289, 1-3 |
| PSALM Ps103 | 742 |
| Wochenlied | 353, 1-3 / 355 / 079 |
| Predigtlied Reihe I 1 Tim 1 |  |
| II Mi 7 | *Wo ist solch ein Gott, so wie Du?* / 353, 4-6 |
| III L15,1f | 353, 1+3 |
| IV Hes 18 | 295,1 / 099 |
| V Jn4 |  |
| VI L 15,1-3+11b-32 | **354,1+2+5** / 353 / 079! |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 353, 2ff |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 289, 4 / 353, 8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **4. nach Trinitatis** | *Einer trage des anderen Last…* |
| Eingangslied | 447, 1-3 |
| PSALM 42 | 723 / 759 (Seligpreisungen) / |
| Wochenlied | 428 / 495 GF 41= GLB 172 / GF 81 |
| Predigtlied Reihe I L 6 | 495, 1+3+5 |
| II R 12 | 412, 1+3+6 |
| III 1 M 50 | 374, 1+4+5 |
| IV J 8 | 059 / *Gnade und Wahrheit* - Feiert Jesus to go 4 |
| V 1 P 3 | 358, 4 / 392, 2 |
| VI 1 S 24 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 253, 1- |
| Lied zum Abendmahl | 221, 1 |
| Schlusslied | 447, 7-8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **5. nach Trinitatis** | *Aus Gnade seid ihr selig geworden…* |
| Eingangslied | 443, 1-3 / 445, 1-5 / 503 (zu IV) |
| PSALM | Ps 73 = EG 733 |
| Wochenlied | 245 (alt) / 241 / 313 |
| Predigtlied Reihe I Mt 9-10 |  |
| II L 5 | 256, 1-2+5 / 496, 1 / 494, 1-4 /395 |
| III 1 K 1 | 386 / 355,1 ( 93, 1-2 / *JXP starb für dich / J wir feiern deinen Sieg am Kreuz)*  385,1-3 |
| IV 1 M 12 | 394 / 395 */ Geh, Abraham, geh* |
| V J 1 | 497, 9-12 / 256,1-2 / |
| VI 2 K 12 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 245,1- (Wenn Wochenlied 241) |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 241, 8 / 443,6(-7) / 256,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **6. nach Trinitatis** | …*Fürchte dich nicht, denn ich habe dich erlöst…* |
| Eingangslied | 165 / 452, 1-3 / 447 |
| PSALM 139 | 754 |
| Wochenlied | **200, 1-4** |
| Predigtlied I 1 Petr 2 | 256, 1-2 / 264, 1-3 |
| II 5 M 7 | 288, 1-3+6 / 200, 5-6 |
| III Mt 28,16ff |  |
| IV Röm 6,3-11 | 388, 1+6-7 |
| V Jes 43 | 452, 2 / 473, 1-3 |
| VI Apg 8,26ff | 256,4 / 354, 1-2 / |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 320, |
| Lied zum Abendmahl | 165, 8 |
| Schlusslied | 452, 4 / 200, 5-6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **7. nach Trinitatis** | *So seid ihr nun nicht mehr Gäste und Fremdlinge…* |
| Eingangslied | 279,1-2 / 326, 1-3 / 080 |
| PSALM 107, 1-9 | Ps 107,1-9 nach Edel |
| Wochenlied | (alt: 221, 1-3 / 326 ) **320** **/ 418** / |
| Predigtlied I Joh 6,30-35 | 088 |
| II Hebr 13,1-3 |  |
| III 1 Kön 17 |  |
| IV J 6,1-15 | 229 / 080 |
| V Apg 2,41-47 | 221 / 251 |
| VI 2 M 16 | 369, 1+4+7 |
| sonstige Predigttexte | Offb 19: 241,8 |
| Lied zum Dankopfer | 326, |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 225 / 326, 7 |

|  |  |
| --- | --- |
| **8. nach Trinitatis** | *Wandelt als Kinder des Lichts…* |
| Eingangslied | 441, 1-3 / 445, 1+5+7 |
| PSALM 48 i.A. | (714 = Ps 279 |
| Wochenlied | GF 41 / 182, 4 / 023 / 262 / 263 / |
| Predigtlied I Jes 2,1-5 | 426 / SvH 0124: *Friede wird werden* |
| II Joh 9,1-7 | 441, 4-6 / GF 43 |
| III 1 Kor 6 | 389, 1-3 / 256, 1 / 414, 1-2 |
| IV Mk 12,41-44 | 200, 5 / *Surrender / Mein ganzes Leben* FJ 4-146 |
| V Mt 5 | 385 / 262, 5-7 / 182, 4 / 093, 1 / **414,1-2** |
| VI Eph 5 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 0113 / 400 |
| Lied zum Abendmahl | 213,1 / 221,1-2 |
| Schlusslied | 445,5 / 390, 1-3 / 414, 3 / 434 |

|  |  |
| --- | --- |
| **9. nach Trinitatis** | *Wem viel gegeben ist…* |
| Eingangslied | 494, 1-3 / 166, 1-5 / 452, 1-3 |
| PSALM 63 | 729 |
| Wochenlied | 494, 4-5 / 346, 1-3 / 497 / 397 |
| Predigtlied I Phil 3,4-14 | 386,10 / *Das Höchste meines Lebens ist* FJ1-91 / GLB 905 |
| II Jer 1,4-10 | 385 / 368 |
| III Mt 7,24-27 | 374, 1+4+5 / 369,1 / (129,3; 357,1) **497,3+5** |
| IV Mt 25,14-30 | 494, 4-6 |
| V 1 Kön 3 |  |
| VI Mt 13,44-46 | 472,1-3 |
| sonstige Predigttexte | Luk 10,13-16: 352, 1-3 |
| Lied zum Dankopfer | 326 / 449, 3ff / 333 |
| Lied zum Abendmahl | 220 |
| Schlusslied | 494, 6 / 394 / 326,7 / 346, 4 / 497,14 |

|  |  |
| --- | --- |
| **10. nach Trinitatis K+Isrl** | *Wohl dem Volk dessen Gott der HERR ist…* |
| Eingangslied | 165, 1-4 / 288 / 093 *Zünde an…/* 355, 1-3 / 502, 1-3 |
| PSALM 122 | (749 Ps 121) (750 – Ps 126) |
| Wochenlied | 070 / 290, 3(4-6)+7 |
| Predigtlied I Mk 12,28-34 |  |
| II Röm 11,25-32 | 241, 4-5 |
| III 2. Mo 19,1-6 | 325,1-2 / 316, 2 / 326,5 |
| IV Mt 5,17-20 | 357, 1-4 (342,3) / 295 |
| V 5. Mo 4,5-20 |  |
| VI Sach 8,20-23 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 392 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 165, 6-8 / 241, 8 / 357,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **10 n. Trinit. Zerst. Jrslm** | *Wohl dem Volk dessen Gott der HERR ist…* |
| Eingangslied | 241, 1-4 / **093** / |
| PSALM 74 | 741 / 750 Psalm 74 Lektionar |
| Wochenlied | 241, 5-6 / 093 / 070 / 146 |
| Predigtlied I Luk 19,41-48 |  |
| II Röm 9,1-5 | 241,8 / 133,8 |
| III Jes 27,2-9 |  |
| IV Klgl 5,1-22 |  |
| V Röm 11,17-24 |  |
| VI 5. Mo 30,1-6ff |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 502 / 328, 4ff |
| Lied zum Abendmahl | 256, 1 |
| Schlusslied | **434** / 241, 8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **11. nach Trinitatis** | *Gott widersteht den Hochmütigen…* |
| Eingangslied | 327, 1-4 / 165, 1-3 |
| PSALM 145 | (bis 2018 Ps 113 = 745) |
| Wochenlied | 299 / SvH 091 / GF 121 / 404, 1-3 / [Amazing Grace](https://das-verkuendigte-wort.de/downloads/download-info/amazing-grace-liedblatt-englisch-deutsch/) |
| Predigtlied I Hiob 23 | 381 / SvH 091 / ***Reinige mein Herz*** FJ 1-79 |
| II Luk 18,9-14 | 404, 1-3 / 355, 1-3 |
| III Eph 2,4-10 | 355,1-4 |
| IV 2 Sam 12 | 390, 1-2 / 389,1 |
| V L 7,36-50 | 353, 1+2+4 / 354, 1-3 / 406 |
| VI Gal 2,16-21 | 351, 3-4 / 354, 1-2 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 507 |
| Lied zum Abendmahl | 213,1 |
| Schlusslied | 327, 4 / 404, 7-8 / 355, 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **12. nach Trinitatis** | *Das geknickte Rohr…* |
| Eingangslied | 304, 1-3 / 302, 1+2+4 / 452, 1-3 / 289, 1-2 / 166 |
| PSALM 147 | (745 = Ps 113) |
| Wochenlied | 289,1-2 oder - 4 / 72, 1-2+4 / 320, 4-6 / 236 |
| Predigtlied I Apg 3 | 324, 13-14 / 320, 4-5 / 320, 1/ 079 |
| II 1 K 3,9-17 | *Mein Herr und mein Gott...* / 354, 1 |
| III Mk 7,31-37 | 72 / 320, 1 |
| IV Apg 9,1-20 | 66,3+5 / 390,1-3 |
| V Jes 29,17-24 | 72, 1-6 |
| VI L 13,10-17 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 320 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 304, 6 / 354, 1+7 / 289, 5 / 320, 7-8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **13. nach Trinitatis** | *Was ihr getan habt…* |
| Eingangslied | 295, 1-3 / 300 |
| PSALM 112 |  |
| Wochenlied | GF 59 / 0115 / **EG 412** |
| Predigtlied I Mark 3,31-35 | 73,8 / 295, 1-3; 414,1; 447,8 |
| II Apg 6,1-7 | 414, 1-2 / 241, 2-3 |
| III Gn 4,1-16a | 449, 6 / 389, 1-3 |
| IV L 10,25-38 | 397, 1-2 |
| V1. Joh 4,7-12 | 251, 1-3+6 |
| VI 3. M 19 |  |
| sonstige Predigttexte | Amos 5: 346,4 / *Sucht mich, so werdet ihr leben* Lebenslieder 106 |
|  | Matth 6,1-4 (alt V): 414,1-2 |
| Lied zum Dankopfer | 447 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 295,4 / 447, 8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **14. nach Trinitatis** | *Lobe den HERRN, meine Seele…* |
| Eingangslied | 334 / 0113 / 447,1-3 / 333,1-4 |
| PSALM | (Ps 146) 757 |
| Wochenlied | 365, 1-3 / 321 / 333 / EG E-14 = SvH 077 |
| Predigtlied I 1. M 28 | 165, 7 / 166,1 / 395 / 65, 1+6 / |
| II L 19,1-10 |  |
| III 1 Th 5,14-24 |  |
| IV Jes 12,1-6 | SvH 098 / 243, 1-2+4 |
| V L 17,11-19 | 272 / 322,1-4 / 320,1-4 / 383 (Mel 402) |
| VI R 8,14-17 | 351, 4+7-9 / 328, 1+3+4+6 |
| sonstige Predigttexte | 1 Th 1.: 358,1 |
| Lied zum Dankopfer | 077 |
| Lied zum Abendmahl | 054 |
| Schlusslied | 365, 8 / 333,5-6 / 289, 5 / 165,8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **15. nach Trinitatis** | *Alle eure Sorge werft auf Ihn…* |
| Eingangslied | 304 / SvH 0129 |
| PSALM | 720 |
| Wochenlied | 369 / 345 / 427 |
| Predigtlied I 1 Petr 5 | 368, 1-4 |
| II Gn 2 | 166, 5, 365,1+3-4; 506, 1+5-6; 515, 1+6 |
| III Luk 17,5-6 | 166, 5 |
| IV Gal 5,25 – 6,10 | 393, 1+3+8 / 373, 2 / 345, 1-2 / 134, 1-2 |
| V Gen 15 |  |
| VI Mt 6,25-34 | 369, 7 |
| sonstige Predigttexte | **L 18,28-30**: 394, 1-5 / 369, 7 / 403, 5 |
| Lied zum Dankopfer | 368 |
| Lied zum Abendmahl | SvH 054 / 220,(1) |
| Schlusslied | 369,7 / 345,5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Michaelis** | *Der Engel des Herrn lagert sich um die her, die ihn fürchten* |
| Eingangslied | 142, 1-5 / 165, 1-4 / 502, 1-2 |
| PSALM 103,19-22 |  |
| Wochenlied | 331, 1-3 |
| Predigtlied I Luk 10,17-20 | 351, 1+6+12 / 373, 6 / 398 |
| II Offb 12,7-10 |  |
| III 1. M 21,8-21 |  |
| IV Mt 18,1-6.10 |  |
| V Apg 5,i.A. |  |
| VI 4. M 22,31-35 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 322,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 142, 6 /SvH 027 *Wer auf Gott vertraut*… / EG 258 / 445,7 |

|  |  |
| --- | --- |
| **ERNTEDANK** | *Aller Augen warten auf Dich…* |
| Eingangslied | 508, 1-4 / 505,1-4 / 324 |
| PSALM | 743 |
| Wochenlied | **502** / 512, 1-2 / 508 |
| Predigtlied I Jes 58,7-12 | 512, 1+5-6 |
| II Mark 8,1-9 | 508 / SvH 0105 *Unser Leben sei ein Fest* |
| III 2 Kor 9,6-15 | 414,2 / 463 / 170,2 |
| IV 5. Mose 8,7-18 |  |
| V Luk 12,13-21 | 527,4+6+10 / 428,4 / 149,4 |
| VI 1. Tim 4,4-5 |  |
| sonstige Predigttexte | 336 |
| Lied zum Dankopfer | 324 / 508 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 512 (1+)6 / 502,4-5 / 028, 1-2+8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **16. nach Trinitatis** | *Christus Jesus hat dem Tod die Macht genommen…* |
| Eingangslied | 280 / 450, 1-3 / 446,1-4 |
| PSALM | 720 |
| Wochenlied | 364, 1-3 / 031, 1-4! / 115 / 446 |
| Predigtlied I Joh 11 | 016 / 66,8 |
| II 2. Tim 1,7-10 | 66,8-9 |
| III Klgl 3 |  |
| IV L 7,11-17 | 66 / 65 |
| V Hebr 10 |  |
| VI Ps 16 |  |
| sonstige Predigttexte | **2. Tim 1,10**(Wspr.): 66,8 / **Apg 12**: 66,1-23 / 364, 1-2 |
| Lied zum Dankopfer | 115,1- |
| Lied zum Abendmahl | 056 |
| Schlusslied | 364, 4 / 093 / 446,9 / 66,6 / 450,4-5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **17. nach Trinitatis** | *Unser Glaube ist der Sieg…* |
| Eingangslied | 346, 1-3 / 357, 1-4 / 197,1-3 |
| PSALM 138 | (713 oder 725) |
| Wochenlied | 016 / 0104 /*Unser Glaube ist der Sieg* / **346** / 197 |
| Predigtlied I Jos 2 | 346, 1-3 / SvH 0104 |
| II Mt 15,21-28 | 357, 1+3+4 / 123, 7+11 |
| III Röm 10,9-17 | 136,1-4 / 194,1-2 / 262,5 / |
| IV Jes 49,1-6 | 262, 1-2 |
| V Mark 9,17-27 | 343, 1 / 166, 5 / 358, 6 |
| VI Gal 3,26-29 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 263 / 423 |
| Lied zum Abendmahl | 66,6-7 |
| Schlusslied | 346, 4(+5) / 357, 5 / 253, 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **18. nach Trinitatis** | *Dies Gebot haben wir von ihm…* |
| Eingangslied | GF 74 / 396, 1-2 / 352,1-3 / 331, 1-3 |
| PSALM | 701, 708, 719 |
| Wochenlied | 400 / 401, 414 |
| Predigtlied I Jak 2,14-26 |  |
| II 5 M 30,11-14 | SvH 0108 *Keinem von uns ist Gott fern /* 482, 4-5 / 66 ,1 / 452, (1-3)4-5 |
| III Mark 10,17ff | 385, 1-3 / 352, 1+3 |
| IV Eph 5,15-20 | 328, 1-4 |
| V 2. Mose 20 | 494 / 295 |
| VI 1 Petr 4,7-11 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 412, 2ff / 320 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 494, 7 / 352,6 / 331,10 |

|  |  |
| --- | --- |
| **19. nach Trinitatis** | *Heile Du mich, Herr…* |
| Eingangslied | 316,1-4 / 320, 1-3 / 390 |
| PSALM 32 | 717 |
| Wochenlied | 320,1-4 / 077 / *Du vergibst mir …*DbH2-59 / **EG 324** |
| Predigtlied I 1. Joh 5 | 123, 1+7+11 |
| II Eph 4 | 129, 3 / 130, 7 / 390 |
| III Jes 38 |  |
| IV Mk 2 | *Du vergibst mir*… DbH 2-59 |
| V Jak, 5,13-15 | 123, 7 |
| VI 2. Mose 34 | 346, 1-3 |
| sonstige Predigttexte  Mk 1,32-39 | 256, 1+2+5 / 373, 1+3+4 |
| Lied zum Dankopfer | 333 |
| Lied zum Abendmahl | 320,5-6 |
| Schlusslied | 320, 7-8 / 316, 5 |

|  |  |
| --- | --- |
| **REFORMATION** | *Einen anderen Grund…* |
| Eingangslied | 385, 1-4 / 155 / 362 / 136, 1-4 |
| PSALM | 725 |
| Wochenlied | 351, 1-4 / **341 / 360** |
| Predigtlied I 5. Mose 6,4-9 | 400, 2ff |
| II Matth 10 | 362 |
| III Gal 5,1-6 | 194 / **388, 5** / 351, 6 / 059 / FJ4-161! / 253, 1-4 |
| IV Ps 46 |  |
| V Matth 5,1-10 |  |
| VI Röm 3,21-28 |  |
| sonstige Predigttexte | Jes 62,6—12: 147, 12- / 241, 1+4+6 |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 351, 6 / 362 / 241, 8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **KIRCHWEIH** | *Wie lieblich…* |
| Eingangslied | 166, 1-3 |
| PSALM | 734 |
| Wochenlied | 282, 1+3+4 / 250 / 264 / **245 / 264** |
| Predigtlied I Ps 84,1-13 | 252 / 165, 8 |
| II Lukas 19,1-10 | 165, 8 |
| III Offb 21,1-5a | 151, 5+7+8 / 150, 1-3 / 264, 1-3 / 245, 5 |
| IV 1. Kön 8 |  |
| V Mark 4,30-32 |  |
| VI Jos 24,14-16 | 496 / 423 / 134, 4-5 / 137, 1-3 / 166, 1-3 / 165, 8 |
| sonstige Predigttexte | Hebr 8: 245, 1-3 // Jes 66,1-2: 165,8 |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 250, 5 / 227, 1+4+6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **20. nach Trinitatis** | *Es ist dir gesagt, Mensch…* |
| Eingangslied | 294, 1-3 / 447, 1-3 |
| PSALM | 748 |
| Wochenlied | (DbH2 – 240 / DbH3-200) / DbH2 – 210 / **EG 295** |
| Predigtlied I 1. Mose 8 | 424 |
| II Mark 2,23-28 | 388, 1+4+6 / 325, 1+5+10 / 0106, 1+4 / 0111 |
| III Pred 12,1-7 | - |
| IV Hld 8,6b-7 | - |
| V Mark 10,2-16 | 240, 1-3 |
| VI 2 Kor 4 3,3-9 |  |
| sonstige Predigttexte | 1. Kor 7,29-31: 396,4 / 449,8(ff)  1. Thess 4,1-8: 389 / *Ein Leben für Gott* |
| Lied zum Dankopfer | 325 / 326 / 322 |
| Lied zum Abendmahl | 390, 2 |
| Schlusslied | 157 / 294,4 / 447,6-7 oder V. 7-8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **21. nach Trinitatis** | *Lass dich nicht vom Bösen überwinden…* |
| Eingangslied | 252,1-3 / 389,1-5 |
| PSALM | 708 |
| Wochenlied | **377** / 373,1-3+6 / 032 [mit deutscher Übertragung](https://das-verkuendigte-wort.de/downloads/download-info/we-shall-overcome-uns-gehoert-der-sieg/) |
| Predigtlied I Eh 6,10-17 | 136, 2-3 |
| II Jer 29 |  |
| III Matth 10,34-39 |  |
| IV Joh 15,9-17 |  |
| V 1, Mose 13 |  |
| VI Matth 5,38-48 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 232,3ff / 373, 1ff |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 252,8-9 / 395 / 373, 6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **22. nach Trinitatis** | *Bei dir ist die Vergebung, dass man dich fürchte* Ps 130,4 |
| Eingangslied | 289,1-3 / 251 |
| PSALM 143 | 755 |
| Wochenlied | **251 /** 404 |
| Predigtlied I Matth 18,21-35 | 412,1+5+6+8 |
| II Röm 7,14-25 |  |
| III Jes 43, 21-23 |  |
| IV Matth 18,15-20 |  |
| V 1. Joh 2,12-14 |  |
| VI Micha 6,1-18 | 295,1 |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 289,4 / 251,6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **23. nach Trinitatis** | *Dem König aller Könige – sei Ehre und Macht…* |
| Eingangslied | 123 |
| PSALM 33 | 759 oder 725 |
| Wochenlied | 275 / **351 / 430** |
| Predigtlied I Amos 7,10-17 |  |
| II Mat 22,15-22 |  |
| III Phil 3,17-21 |  |
| IV 2. Mose 1,8-20 |  |
| V Matth 5,33-37 | 320,8 / 495,3 |
| VI Röm 13,1-7 |  |
| sonstige Predigttexte | Joh 15,18-21: 385,1 |
| Lied zum Dankopfer | 0115 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 275,7 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Drittletzter Sonntag** | *Selig sind, die Frieden stiften…* |
| Eingangslied | 152,1-3 / 123, 1-3 |
| PSALM | (735) |
| Wochenlied | GF 54 / DbH3-18 / **152,1-3** |
| Predigtlied I Luk 6,27-38 |  |
| II 1. Thess 5,1-11 | 441, 4-6 |
| III Ps 85,1-14 | SvH 124 *Frieden wird werden* |
| IV Luk 17,20-30 |  |
| V Röm 18,18-25 | 388,1+4+6 / 152, 4 |
| VI Mi 4,1-5 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer |  |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 152,4 / 241,8 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Vorletzter Sonntag** | *Wir müssen alle offenbar werden vor dem Richterstuhl Christi 2 K 5,10* |
| Eingangslied | 165, 1-3 / 149,1+5+6 / 152,1-3 |
| PSALM | 727 |
| Wochenlied | 149,1+5f oder 378 oder SvH 031 *Die Gott lieben* |
| Predigtlied I Hiob 14 | 353 |
| II Luk 16,1-8 | 414,1-4 / 392,1+3+7 / 497,4-5 / 512,6 |
| III 2 K 5,1-10 | 441, 4-6 / 165, 4+7-8 |
| IV Luk 18,1-8 | 249 / 361,1+9-11 |
| V Mt 25 | 11,10 / 149 |
| VI Röm 14 |  |
| sonstige Predigttexte |  |
| Lied zum Dankopfer | 324, 1-2 |
| Lied zum Abendmahl | 227,1-2 |
| Schlusslied | 324,12-13 / 149,7 / 227,6 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Bußtag** | *Gerechtigkeit erhöht ein Volk, aber die Sünde…* |
| Eingangslied | 299 / 390,1-3 / 262, 1-3 |
| PSALM 130 | 751 |
| Wochenlied | 144 / 146 / **299** / 389 / 385 / 388 / **428** |
| Predigtlied I Röm 2,1-11 | EG 76 / SvH 116 / 392, 1+8 / |
| II Jes 1,10-18 |  |
| III Mt 7,12-20 | 386,4 / 414,1 / SvH 088 / FJ2-172 |
| IV Offb 3,1-6 | 10, 1-3 / 147,1 |
| V Hes 22 |  |
| VI Luk 13,1-9 |  |
| sonstige Predigttexte | 512, 5 |
| Lied zum Dankopfer | 430 / 295 / 353 / 262 |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 289,5 / 157 / 421 / 262,6-7 / 347, 3-4 |

|  |  |
| --- | --- |
| **Gedenktag Entschlafene** | *Lehre uns bedenken…* |
| Eingangslied |  |
| PSALM 90 | 735 |
| Wochenlied | **526 / 533** |
| Predigtlied I Joh 5, 24-29 | 115,6 / 199 / 227 |
| II 1. Kor 15,35-44 | 98 (1) / 384, 3-4 / 526,6 |
| III 5. Mose 34,1-8 |  |
| IV Joh 6,37-40 |  |
| V Dan 12,1b-33 | 450, 4-5 |
| VI Ps 90 |  |
| sonstige Predigttexte | Offb 14,6-13: EG 63,4-6 |
| Lied zum Dankopfer | 115,2ff |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied |  |

|  |  |
| --- | --- |
| **Ewigkeitssonntag** | *Lasst eure Lenden umgürtet…* |
| Eingangslied | 450,1-3 / 149,1-5 |
| PSALM 126 | 750 |
| Wochenlied | 361,9-11 / **147,1-3** / 535 / 153,1-5 / |
| Predigtlied I Matth 25,1-13 | 152,1-2 |
| II Offb 21,1-7 |  |
| III Jes 65 |  |
| IV Mark 13,28-37 | 449,7-9 |
| V 2. Petr 3,3-13 | 149,1+7 / 449,8-12 |
| VI Ps 126 |  |
| sonstige Predigttexte | 150,1-3 |
| Lied zum Dankopfer | 154,1- |
| Lied zum Abendmahl |  |
| Schlusslied | 450,5 / 149,7 |